Paise coins as a measure of econmy and also to re-introduce a 20 Paise coin in aluminium-magnesium alloy so as to keep down the cost of manufacture of small coins. Similarly, a decision has been taken recently to phase out the 1 and 2 rupee notes by stepping up the output of one rupee coins (with reduced dimensions) and the introduction of a 2 rupee coin as minting of coins is found to be more economical in the long run. On the currency side, the introduction of 50 rupee notes, as an intermediate denomination between 20 rupee and 100 rupee notes, was decided upon so as to meet the growing requirements of currency.

The production programme both for currency and coins is determined from year to year on the basis of the forecast made by the Reserve Bank of India and after taking into account the constraints on the production capacity in the presses and mints.

All efforts are being made to steps up the availability of small coins. There is no proposal under consideration to discontinue the minting of 5 Paise coins.

समुद्री मछली उद्योग विकास संबंधी कृतक बल की रिपोर्ट

1032. **श्री मोती भाई आर० चौधरी :**
श्री राम सिंह यादव :
श्री रवीन्द्र वर्मा :
श्री बापूसाहिब पढलेकर :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उनके मंत्रालय ने समुद्री मछली उद्योग के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 1981 में कोई कृतक बल नियुक्त किया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या उस कृतक बल ने सरकार को रिपोर्ट भेज दी है ; और

(ग) यदि हां, तो कृतक बल की सिफ़ारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) कुछ आधारभूत समस्याओं का अध्ययन करने के लिए, जो समुद्री उत्पादों के निर्यातों की वृद्धि के बारे में अनुभव की गई हैं, अप्रैल, 1981 में वाणिज्य मंत्रालय में समुद्री उत्पादों के सम्बन्ध में एक टास्क फ़ोर्स स्थापित किया गया था ।

(ख) जी, हां ।

(ग) यह मंत्रालय टास्क फ़ोर्स द्वारा की गई सिफारिशों की जांच कर रहा है ।

थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि

1033. **श्री मोती भाई आर० चौधरी :**
प्रो० रूप चन्द पाल :
श्री वीरेन्द्र वर्मा :
श्री बापूसाहिब पढलेकर :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंग जकि :

(क) क्या यह सच है कि थोक मूल्य सूचकांक में अगस्त, 1982 में और वृद्धि हुई है ?

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और